॥ ओम शान्ति ॥

सभी ब्राह्मण कुल भूषण आत्माओं को 83 वीं हीरे तुल्य त्रिमूर्ति शिव जयन्ती की कोटि कोटि बधाईयां। इस सुनहरे अवसर पर सम्बन्ध-सम्पर्क वाली आत्माओं को विशेष आमन्त्रित कर उन्हें परमात्म कार्यों से अवगत कराते ईश्वरीय सन्देश देना है। बापदादा ने जो महावाक्य उच्चारण किये हैं, उनमें सात मुख्य संकल्प (वायदे), झण्डा फहराने के पहले निमित्त बहन हर एक से यह संकल्प करायें कि –

1] सभी द्दष्टा की स्थिति में स्थित रह हर परिस्थिति में अचल अडोल एकरस रहेंगे।

2] शुभ भावना और शुभ कामना के मन्त्र द्वारा हर आत्मा को सन्तुष्ट करते हुए सदा सन्तुष्ट रहेंगे।

3] मीठे बोल और मुस्कराते हुए चेहरे द्वारा हर एक के साथ मधुरता सम्पन्न व्यवहार करेंगे।

4] सच्चे और साफ दिल से भोलानाथ शिव बाप को राज़ी कर चिंता और व्यर्थ चिंतन से मुक्त रहेंगे।

5] सम्पूर्ण पवित्रता का सुख लेने के लिए व्यर्थ संकल्प वा रोब वाले व्यर्थ बोल को समाप्त कर अपनी वृत्तियों को भी पवित्र बनायेंगे।

6] हर बीती को सेकण्ड में फुलस्टाप लगाकर तीव्र पुरूषार्थ में सफलता प्राप्त करेंगे।

7] परचिंतन, परदर्शन, परमत से मुक्त रह पर उपकारी बनेंगे।

ओम् शान्ति – ओम् शान्ति – ओम् शान्ति

इन संकल्पों को दृढ़ता से रिवाइज करते हुए **'बाप ने कहा बच्चों ने किया'** ऐसे तीव्र पुरुषार्थ की लहर चारों ओर फैलानी है। अव्यक्त पालना का सबूत प्रत्यक्ष जीवन द्वारा देना ही है।

नोट : कृपया सभी निमित्त आत्मायें अपने छोटे-बड़े सेवाकेन्द्रों, उपसेवाकेन्द्रों, गीता पाठशालाओं के निमित्त भाई-बहनों तक यह कॉपी अवश्य पहुचायें। धन्यवाद।